SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
Class Notes

CLASS: 5 SUBJECT: हिंदी
Prepared By: Salma (Date: ) LESSON-6 एक टोकरी भर मिट्टी, व्याकरण- 7 सर्वनाम

---

प्रश्न-१) शब्दार्थ मधुश्री पाठ्यपुस्तक से नोटबुक में लिखिए।

प्रश्न-२) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

क) पश्चाताप- पछतावा
वाक्य- जमींदार को अपने किए हुए कर्म का पश्चाताप हुआ।

ख) निष्फल- बेकार
वाक्य- बुढ़िया की झोपड़ी खाली कराने में जमींदार के सभी प्रयत्न निष्फल हुए।

प्रश्न-३) खाली-स्थान भरिए-

क) बुढ़िया की झोपड़ी जमींदार के महल के पास थी।
ख) झोपड़ी हथियाने के लिए जमींदार ने अदालत का सहारा लिया।
ग) जमींदार ने टोकरी न उठा पाने पर विधवा से कहा कि वे टोकरी नहीं उठा सकते।

प्रश्न-४) लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दीजिए-

१) जमींदार विधवा की झोपड़ी क्यों हथियाना चाहता था?

उत्तर- जमींदार अपने महल के अहाते को झोपड़ी तक बढ़ाना चाहता था, इसलिए वह विधवा की झोपड़ी हथियाना चाहता था।

२) जमींदार ने विधवा की झोपड़ी हथियाने के लिए कौन-सी चाल चली?

उत्तर-जमींदार ने बाल की खाल निकालने वाले वकीलों को पैसों का लालच दिया और अदालत की सहायता से बुढ़िया की झोपड़ी पर कब्जा कर लिया।

३) विधवा की पोती ने खाना-पीना क्यों छोड़ दिया था?

उत्तर- जमींदार ने विधवा बुढ़िया और उसकी पोती को उनके घर से बाहर निकाल दिया था। अपने घर पर न होने के कारण विधवा की पोती ने खाना-पीना छोड़ दिया था।

प्रश्न-५) दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर चार से पाँच वाक्यों में दीजिए-

१) जमींदार नौकर से न कहकर खुद टोकरी क्यों उठाने लगा?

उत्तर- विधवा द्वारा बार-बार हाथ जोड़ने और पैरों में गिरने पर जमींदार को उस पर दया आ गई, जिसके कारण वह नौकरों को न कहकर खुद ही टोकरी उठाने लगे।

२) जमींदार को विधवा के सामने किस कारण लज्जित होना पड़ा?

उत्तर- जमींदार ने विधवा की झोपड़ी छल-कपट से छीन ली, परंतु विधवा की एक टोकरी भर मिट्टी भी नहीं उठा पाया जो विधवा के सामने उसकी लज्जा का कारण बना।

३) विधवा की झोपड़ी से कौन-सी यादें जुड़ी हुई थी?

उत्तर- विधवा अपने पति और पुत्र के साथ उस झोपड़ी में रहती थी। उसके पति, बेटे और बहु की मृत्यु उसी झोपड़ी में हुई थी। अब वह अपनी पोती के साथ उस झोपड़ी में रहती थी।

४) "आपसे तो एक टोकरी मिट्टी उठाई नहीं जाती और इस झोपड़ी में तो हजारों टोकरियाँ मिट्टी पड़ी है" विधवा के इस कथन के पीछे क्या भाव रहा होगा?

उत्तर-इस कथन के माध्यम से विधवा कहना चाहती थी कि उसने और उसके परिवार ने इस झोपड़ी को बनाने के लिए हजारों टोकरियों का भार अपने कंधों पर उठाया है। इस कथन में प्रेम, बलिदान और मिलाप का भाव समाहित है।

५) जमींदार का हृदय परिवर्तन कैसे और क्यों हुआ?

उत्तर- जमींदार जब एक टोकरी भर मिट्टी भी नहीं उठा पाया तब विधवा द्वारा कहे कथन "महाराज, नाराज़ न हों, आपसे तो एक टोकरी मिट्टी नहीं उठाई जाती और इस झोपड़ी में तो हजारों टोकरियाँ मिट्टी पड़ी है, उसका भार आप जन्म भर कैसे उठा सकेंगे? इस बात से जमींदार का हृदय परिवर्तन हो गया। उसे एहसास हुआ कि

उसने कितना बड़ा पाप किया है।

प्रश्न-६) गतिविधि- अपने अभिभावक की सहायता से किसी वृद्धाश्रम के विषय में जानिए और उस अनुभव को एक अनुच्छेद के रूप में लिखिए?

## व्याकरण पाठ- सर्वनाम

परिभाषा- संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे-यह, वह, हम, तुम, आप आदि।

सर्वनाम के ६ भेद होते हैं-

१) पुरुषवाचक सर्वनाम- बोलने वाले, सुनने वाले तथा किसी तीसरे व्यक्ति के लिए जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग होता है, वे शब्द पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

पुरुषवाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं-

क) उत्तम पुरुष- बोलने वाले के लिए; जैसे- मैं ,हम ,मेरा, हमारा आदि।

ख) मध्यम पुरुष- सुनने वाले के लिए; जैसे- तू, तुम, तेरा, तुम्हारा आदि।

ग) अन्य पुरुष- अन्य व्यक्ति के लिए; जैसे- वह, वे, यह, ये आदि।

२) निश्चयवाचक सर्वनाम- जिस सर्वनाम शब्द से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु की जानकारी मिले, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे-<u>वह</u> मेरे पिताजी की कार है।

३) अनिश्चयवाचक सर्वनाम- जिस सर्वनाम शब्द से किसी व्यक्ति या वस्तु की जानकारी नहीं मिलती, उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे- दरवाज़े पर कोई खड़ा है।

४) संबंधवाचक सर्वनाम- जो सर्वनाम शब्द संज्ञा या सर्वनाम का अन्य संज्ञा या सर्वनाम से संबंध बताते हैं, वे शब्द संबंधवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे-जहाँ मंदिर है, वहाँ फूलों की दुकान है।

५) प्रश्नवाचक सर्वनाम- जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग प्रश्न पूछने या करने के लिए किया जाता है, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे- तुम क्या पढ़ रहे हो?

६) निजवाचक सर्वनाम- जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग काम करने वाला अपने लिए करता है, उसे निजवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे-मैं बोतल में पानी खुद भरूँगी।

प्रश्न-१) दिए गए वाक्यों में सर्वनाम का कौन-सा भेद है? सही निशान लगाकर बताइए-

क) मैं मुंबई जाऊँगा। (उत्तम पुरुषवाचक, मध्य पुरुषवाचक)

ख) वह मेरी साइकिल है। (निश्चयवाचक, प्रश्नवाचक)

ग) तुम क्या खा रहे हो? (संबंधवाचक, प्रश्नवाचक)

घ) मैं अपना काम स्वयं करता हूँ। ( निजवाचक, अनिश्चयवाचक)

प्रश्न-२) उचित सर्वनाम शब्दों से खाली जगह भरिए-

क) दूध में ________ गिर गया है। ( कुछ / कोई )

ख) ________ किसी ने बचा लिया। ( वो / उसे )

ग) _________ कल चला जाएगा। ( वह / तुम )